IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बी० एड० महाविद्यालय के छात्राध्यापकों की आई० सी० टी० में रूचि एवं प्रभावी अधिगम

प्रवीण रंजन[1] वं प्रो० (डॉ०) निखिल रंजन[2]

[1]शोध–छात्र, शिक्षाशास्त्र, बी० आर० ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

[2]प्रोफेसर एण्ड हेड, दर्शनशास्त्र विभाग, नीतीश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर।

सारांश : बी० एड० महाविद्यालय के छात्राध्यापकों की आई० सी० टी० में रूचि एक महत्वपूर्ण विषय है। यह देखा गया है कि आई० सी० टी० का उपयोग शिक्षण–प्रक्रिया को प्रभावी और आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज के इस आधुनिक युग में जहाँ शिक्षण में अनेक प्रकार के नवाचार हो रहे हैं। शिक्षण के कई प्रकार की तकनीकों का उपयोग हो रहा है। इन आधुनिक शिक्षण तकनीकों के प्रयोग से शिक्षण कितना सुलभ हो गया है। आज इस तकनीक के दौड़ में जहाँ ई–लाइब्रेरी, ई–ज्ञानकोष एवं ई–पुस्तकों के माध्यम से छात्रअध्यापक आई० सी० टी० का उपयोग करके शैक्षिक सामग्री जैसे– प्रेजेंटेशन, वीडिया और इंटरैक्टिव पाठ्य सामग्री को विकसित करके शिक्षण के नये–नये व्यूरचना कर सकते हैं तथा इसका उपयोग वे अपने कौशल विकास, शैक्षणिक सामग्री के विकास में नवाचार को बढ़ावा दे सकते हैं। जिसे छात्र–अध्यापकों समस्या, समाधान, आलोचनात्म चिंतन तथा सहयोग विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

मूलशब्द :– नवाचार, आदर्श शिक्षक, अलोचनात्मक चिंतन, कौशल विकास, व्यूरचना।

1. प्रस्तावना

आई.सी.टी. का अर्थ है सूचना और संचार प्रौद्योगिकी यह शब्द उन सभी तकनीकी उपकरणों और संसाधनों को संदर्भित करता है जिनका उपयोग सूचना को संसाधित करने, संग्रहित करने, पुनः प्राप्त करने और संचारित करने, पुनः प्राप्त करने और संग्रहित करने के लिए किया जाता है। आई.सी.टी. में कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क, इंटरनेट, मोबाईल फोन और अन्य डिजिटल उपकर शामिल है।

आई.सी.टी. के स्वरूप में तीन चीजें शामिल है।

1. सूचना
2. संचार
3. प्रौद्योगिकी

सूचना : इसमें आई.सी.टी. में सूचना का संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण शामिल है।

संचार : आई.सी.टी. में विभिन्न माध्यमों से सूचना का आदान–प्रदान शामिल है जैसे कि ई–मेल, सोशल मीडिया, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि।

प्रौद्योगिकी : आई.सी.टी. में कम्प्यूटर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्क, इंटरनेट, मोबाईल फोन और डिजिटल उपकरण शामिल है।

2. अध्ययन का औचित्य –

आधुनिक जीवन का प्रत्येक क्षेत्र सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीक से प्रभावित है। शिक्षा का क्षेत्र भी पूर्णतया इसके प्रभाव में है। आज कम्प्यूटर, इंटरनेट का बढ़ता हुआ उपयोग शिक्षा को सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (आई.सी.टी.) के पास लाता है। शिक्षा का प्रत्येक अंग, विधियाँ, प्रविधियों, शिक्षण उद्देश्य, शिक्षण प्रक्रिया, शोध इत्यादि सभी सूचना का सम्प्रेषण तकनीकी (आई.सी.टी.) के बिना अधूरा है। इसके उपयोग से बी० एड० महाविद्यालय के छात्र–अध्यापकों के शिक्षण में रूची जागृत किया जा सकता है तथा निम्न उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

1. शैक्षिक लक्ष्यों का निर्धारण :– बी० एड० महाविद्यालय के छात्र अध्यापकों को सूचना एवं संचार तकनीकी की सहायता से शैक्षिक उद्देश्यों की एवं लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है। इन उद्देश्यों को निर्धारित कर विद्यार्थियों के अपेक्षित व्यवहार में परिवर्तन कर उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है।

2. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए युक्तियों का चयन :– सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी) के द्वारा बी० एड० छात्र–अध्यापकों द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए प्रयोग की जाने वाली नवीन युक्तियों का चुनाव एवं विकास आसानी से किया जा सकता है।

3. दृश्य–श्रव्य सामग्री का चुनाव, उत्पादन और उपयोग :– बी० एड० महाविद्यालय के छात्र–अध्यापक आई.सी.टी. द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए विभिन्न प्रकार की दृश्य–श्रव्य सामग्रियों का चयन, उत्पादन और उपयोग करके अपने अधिगम एवं अध्यापन शैली को नवाचार दे सकते हैं।

4. फीडबैक में सहायक :– सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली तभी सफल मानी जाती है जब उसका सही समय पर मूल्यांकन हो। पृष्ठ–पोषण द्वारा छात्र–अध्यापकों को उनकी अधिगम और शिक्षण विधियों की सफलता के बारे में जाँच कर कमियाँ होने पर उसे दूर करने का प्रयास किया जाता है।

5. शिक्षक प्रशिक्षण :– आई.सी.टी. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके लिए शिक्षण अभ्यास प्रतिमानों की रचना, सूक्ष्म शिक्षण, अनुकरणीय शिक्षण एवं प्रणाली उपागम का उपयोग किया जाता है।

3. छात्रअध्यापकों में आई.सी.टी. (ICT) की उपयोगिता पर बल :

विश्वभर में समस्त सूचनाएँ किताबों, सिनेमा, कम्प्यूटर आदि में संग्रहित है। इसे हम सरलतापूर्वक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित करते हैं। यह कार्य बिना आई.सी.टी. के उपयोग संभव नहीं है क्योंकि मौखिक रूप से सूचना हस्तांतरण में अधिकांश सूचनाएँ विस्तमृत हो जाती है और उनका कुछ महत्वपूर्ण भाग नष्ट हो जाता है। नवीन सूचना और तकनीकी के कारण इन सूचनाओं को किताबों के साथ–साथ कम्प्यूटर आदि में संग्रहित किया जा सकता है।

छात्र–अध्यापक आई.सी.टी. के उपयोग से विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को संग्रहित एवं हस्तांतरित भी कर सकते हैं। आई.सी.टी. छात्रअध्यापकों के ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्ति प्रदान करके एक नवीन

तथा विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली एक शैक्षिक प्रक्रिया है। जिसमें समय और स्थान के आयामों का शिक्षण एवं अधिगम को सुलभ एवं सुगम बनाया जा सकता है।

2013 में सेंट्रल इंस्ट्च्यूट ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी (NCIRT में स्थित) ने शिक्षकों के लिए एक आई.सी.टी. पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया था। इसने कहा कि छात्र अध्यापकों तथा शिक्षकों को इनमें सक्षम होना चाहिए।

छात्रअध्यापक आई.सी.टी. के माध्यम से निम्न प्रकार से अपने अध्ययन को प्रभावी बना सकते हैं तथा उनमें नवाचार एवं रोचकता का समावेश कर सीखने–सीखाने का बेहतर संसाधन तैयार कर सकते हैं।

- आई.सी.टी. टूल्स, सॉफ्टवेयर एप्लिकेशंस और डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने में।
- आई.सी.टी. को शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में स्वीकृत करने में।
- छात्रअध्यापकों के नेटवर्क में भागीदारी सुनिश्चित करने में।
- संसाधनों का मूल्यांकन और चयन करने में।
- आई.सी.टी. के उपयोग के व्यावहारिक, सुरक्षित, नैतिक और कानूनी रास्तों को जानने में।
- कक्षाओं को अधिक आकर्षक एवं प्रभावी बनाने में।

4. निष्कर्ष :– आज के आधुनिक युग में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आई० सी० टी० का उपयोग करके शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए आई.सी.टी. के उपयोग को अपनाकर बी० एड० महाविद्यालय के छात्र–अध्यापकों में आई.सी.टी. के प्रति रूचि पढ़ाई जा सकती है, जिससे प्रशिक्षण प्रक्रिया में सुधार होगा और छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उन्हें भविष्य में एक आदर्श शिक्षक बनाया जा सकेगा एवं छात्रों को 21वीं सदी के कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी।

भारत सरकार का इलेक्ट्रॉनिकी और प्रौद्योगिकी मंत्रालय जुलाई 16 तक संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का विभाग था, जिसका विजन है – एक इंजन के रूप में भारत का ई–विकास जो एक विकसित राष्ट्र और एक सशक्त समाज के बीच से गुजरता है। एक शिक्षक को छात्र और समाज की अपेक्षाओं के अनुसार निश्चित समय में अधिक ज्ञान एवं रोचक बनाकर वितरित करना होता है, चाहे पाठ्यचर्या पहले जितना ही रहता है।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, अनुसंधान, वैज्ञानिक खोज, दूर–संचार एवम अन्य क्षेत्र में बदलाव लाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षा प्रक्रिया को प्रभावी, संरक्षित एवं सरल बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन उपयोगी सिद्ध हुए हैं। ज्ञान संरक्षण, सम्वर्द्धन एवं प्रसरण के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी आज के युग में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

छात्राध्यापकों को शिक्षा में इन सब चुनौतियों का सामना एवं अधिगम के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के योगदानों में अधिगम्यता के लिए उपरोक्त संसाधनों को उपलब्ध करवाना सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अपेक्षित है।

संदर्भ सूची –

[1] राजीव मालवीय (2014) : शैक्षिक तकनीकी एवं नवाचार, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद ।

[2] आर0ए0 शर्मा (2004) : शैक्षिक कम्प्यूटर एवं अन्य उपकरण ''शिक्षण तकनीकी'' सूर्या पब्लिकेशन मेरठ।

[3] एस.पी.गुप्ता (2004) : आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

[4] रवीन्द्र अग्निहोत्री (1956) : भारतीय शिक्षा की वर्तमान समस्याएँ, दिल्ली : रिसर्च पब्लिकेशन्स इन सोशल साइन्सेस।

[5] Ali,G.,Haolader,F., Muhammad,K. (2013).The Role Of ICT To Make Teaching-Learning Effective In Higher Institutions Of Learning In Uganda *International Journal Of Innovative Research In Science, Engineering And Technology* .Vol. 2, PP.4061-4073.

[6] Bhakta, K., & Dutta, N. (2016). Impact of Information Technology on Teaching-Learning Process. *International Research Journal of Interdisciplinary & Multidisciplinary Studies.*Vol-II,Page No. 131-138.

[7] Choudhury , S. R., & Chowdhury, S. R. (2015).Teaching Competency of Secondary Teacher Educators In Relation To Their Metacognition Awarness. *International Journal of Humanities and Social Science Invention*. Vol.4, PP. 17-23.

[8] Dixit,M. (2015) Attitude Towards Using New Technology Among B.Ed College Teachers. *International Journal of Scientific Research* Vol- 4(7), July 2015 , pp- 96-97

[9] Mohammed,F.,& Allaafiajiy,I.(2007). Teachers' Professional Development On Ict Use: A Saudi Sustainable Development Model .*Gse E- Journal Of Education.* E,PP.28-37.

[10] Ndibalema,P (2014).Teachers' Attitudes Towards The Use Of Information Communication Technology (ICT) As A Pedagogical Tool In Secondary Schools. *International Journal Of Education And Research:* Vol. 2 (2),pp.1-16.

[11] Sahu , T.K., and Pradhan ,S. R. (2014) Use of ICT in the Teaching Learning Process in Secondary and Senior Secondary schools . *Brics Journal of Educational Research* , Vol - 4(1,2), pp- 10 to 15.